तुकाराम महाराज—परिचय

तुकाराम महाराज सत्रहवीं शताब्दी के आरम्भिक वर्षों में भारत के महाराष्ट्र राज्य में देहू गाँव में रहते थे। व्यवसाय से एक पन्सारी के रूप में जीवन-यापन करने वाले तुकाराम महाराज भक्ति परम्परा के एक सन्त-कवि थे जिन्होंने अपने जीवनकाल में अनेकानेक अभंगों [मराठी भाषा में भक्तिगीत] की रचना की। वहाँ की स्थानीय भाषा मराठी में रचित अपने भक्तिगीतों द्वारा वे भगवान की स्तुति करते; अपनी भक्ति को अभिव्यक्त करते हुए वे अपना ज्ञान सबके साथ इस प्रकार बाँटते कि उनके गाँव के सभी लोग उसे सहज ही समझ पाते। ये अभंग अब 'तुकारामाची गाथा' नामक कृति में संकलित हैं।

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।